

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity.

It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 44

04/2022-23

MONTHLY

April 2022

**Celebrating 147th Year of Arya Samaj Foundation Day
&
Launch of new book "Major (80%) Role of Arya Samaj
in Freedom Struggle of Bharat"**

On Sunday 10th April 2022

At our Bhavan

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Time - 11am – 1pm

(Havan, Celebrations & Rishi Langar)

**(For catering purposes please let us know your attendance by
Calling - Tel - 0121 359 7727 or Email - enquiries@arya-samaj.org)**

**Please note: CAR PARKING at Rookery School, Rookery Road,
Handsworth, Birmingham, B21 9 PY for this event.**

Events	Date	Time
Ram Navmi	10th April 2022	11am – 1pm
Volunteers Meeting	Sunday 8th May 2022	1pm – 3pm
New Time for Day Centre	Every Wednesday	12pm - 3pm

Charity registration number 1156785

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
Does water ensures long life? Is water a food also? - Vimal Wadhawan Yogachary	4
महर्षि दयानन्द की राष्ट्रीयता- - आचार्य डॉ. उमेश यादव	5
Subsct of Reincarnation - By Acharya Dr. Umesh Yadav	7
थर्ड यूथ वोलिन्टियर मिटिंग - 20 मार्च 2022	12
Children's Corner – The Untouchable Monkeys	14
Gyatri Mantra	15
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	16
News (पारिवारिक समाचार)	17
Emerency Funding for Tower	19
Members who pay donations by standing order	20
Next Meeting for Voluntees	21
Your Arya Samaj is here to help you in “Your Hour of Need”	22
Weekly services details	23
We need more of our members to donate monthly/yearly.	25

NEW HOURS

For General and Matrimonial
Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan
(Office Manager)
Monday – 12. 30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 10.30am to 4.30pm.
Thursday – 2.30pm – 8.30pm
Bank Holidays – Closed
Tel. 0121 359 7727

321 Rookery Road, Handsworth,
Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Charity registration number
1156785
E-mail
enquiries@arya-samaj.org
Website
www.arya-samaj.org
facebook
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means. (At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

Does water ensures long life?
Is water a food also?

Aapah prineeta bsheshajam varutham tanve mama. Jyok cha suryam drishe.

Rigveda 1.23.21

अपः प्रिणीता भेषजं वरुथं तन्मे मम। ज्योक् च सूर्यं दृशे॥ ऋग्वेद १.२३.२१

(Aapah) Water (prineeta) complete (bsheshajam) medicine (varutham) for preventing diseases (tanve) for body (mama) my (Jyoka) for long life (cha) and (suryam) sun (drishe) seeing.

Elucidation

Does water ensures long life?

Water is complete medicine for preventing diseases of my body. Water ensures long life to see the Sun till long. Thus, water guarantees healthy and long life with physical strength.

Practical Utility in life

Is water a food also?

Regular consumption of water in appropriate quantity can ensure: -

- (1) Prevention of all diseases.
- (2) Long life.
- (3) Sun seeing (strength of body)

These properties show that water, besides its medicinal properties, is a sufficient source of body strength. It means it can serve the purpose of food also.

By Vimal Wadhawan Yogachary
Advocate, Supreme Court of Ind

महर्षि दयानन्द की राष्ट्रीयता-

आचार्य डॉ उमेश यादव

गौरक्षा आन्दोलन- सन् १८५७ के काल में ही एक नामधारी गुरु बाबा रामसिंह के नेतृत्व में लगभग २०० कूका वीरों ने अंग्रेजों के विरुद्ध गौरक्षा हेतु एक आन्दोलन छेड़ दिया जिसका नतीजा हुआ कि अंग्रेजी सरकार ने उन्हें कालापानी, फांसी व तोप से उड़ाकर समाप्त कर देने का दण्ड दे दिया। ऐसे कठिन समय में महर्षि दयानन्द ने अंग्रेजों का डटकर विरोध किया, इतना ही नहीं, गौरक्षा का दायित्व भी अंग्रेजी सरकार पर ही डालते हुये हर जगह से हस्ताक्षर अभियान चलाया और इस प्रकार भारतवासियों के अन्दर गौरक्षा की जागृति भर दी। जनवाद तो यह भी रहा कि सेवानिवृत्त होकर एक अंग्रेज ऑफिसर की विदाई समारोह में जाकर उसे प्रेरित किया कि वह ईंग्लैंड जाकर वहाँ की महारानी को कहे कि गौरक्षा हेतु भारत में सरकार एक खास कानून बनाये वरणा इसके लिये भारत में फिर से सर्वव्यापी क्रान्ति हो सकती है जो अंग्रेजी सरकार को बहुत भारी पड़ेगा। महर्षि की यह निर्भिकता राष्ट्रीय स्वाधीनता के क्षेत्र में नया जोश भर दिया जिसे कोई भी इतिहासकार इन्कार नहीं कर सकता।

ब्रह्म समाज के लोग, यहाँ तक कि मदनमोहन मालवीय, राजाराम मोहन राय, पं. ईश्वर चन्द विद्यासागर जैसे समाज सुधारक भी ब्रिटिश न्याय के आश्रय में ही जाते रहे और उनका विरोध डटकर न कर पाये, तब भी महर्षि दयानन्द का वैदिक आर्ष विचार अंग्रेजों के विरोध में ही आम जनता व वीरों को जगाता रहा नतीजा यह हुआ कि महर्षि दयानन्द पर अंग्रेजी ऑफिसरों की कड़ी नजर गड़ गयी। फलतः महर्षि दयानन्द को अंग्रेजों की कूटनीति का शिकार होना पड़ा और उससे भारत की बलिवेदी पर उन्हें जान भी गवानी पड़ी। गौरक्षा की पवित्र भावना को सार्थक रूप देने हेतु महर्षि दयानन्द ने एक छोटी सी पर अत्यन्त मार्मिक व सार्थक “गोकरुणानिधि” नामक पुस्तक लिखी जो भारत की अस्मिता बनाये रखते हुये गौ माता के पालन-पोषण व उसके यथार्थ लाभ लेने के लिये भी एक उच्चतम प्रेरणा का स्रोत-सूत्र है।

महर्षि ने एक सुनिश्चित गणित देकर बताया कि एक गाय से 25740 मनुष्यों को लाभ मिलता है जो सम्पन्न राष्ट्र बनाने में अत्यन्त सहायक है। अतः गौरक्षा राष्ट्र समृद्धि का एक सुदृढ़ व पवित्र कारण है। महर्षि दयानन्द के द्वारा किये गये ये सब प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजों को चुभते रहे जिसका बुरा परिणाम महर्षि को भुगतना पड़ा। तत्कालीन कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के विचार प्रमाणरूप प्रस्तुत किये जाते हैं -

महर्षि दयानन्द की मृत्यु के रहस्यात्मक कारण –

जोधपुर नरेश श्री जसवन्त सिंह के सौजन्य से स्वामी दयानन्द जोधपुर गये और उस क्षेत्र में सर्वत्र राष्ट्र विचारों से भारतीयों को जगाते रहे । पर एक दिन नन्हीं जान वेश्या के पालकी को कंधे देते उस राजा को स्वामी जी ने देखा और आसन से उठ उसका स्वागतार्थ खड़ा होते भी देखा तब बड़ी निर्भिकता से स्वामी जी ने राजा के इस कार्य की भर्त्सना की और कहा कि “सिंहों के आसन पर कुतिया का राज्य! ” बस इतना कहना था कि नन्हींजान स्वामी जी की दुश्मन बन गयी । उधर अंग्रेजी सरकार के विरोध में स्थान-स्थान पर नाना प्रकार की योजनाओं को सार्थकरूप देते जा रहे थे जिससे अंग्रेजी ऑफिसर इंडिया से लेकर लंडन तक स्वामी दयानन्द पर अपनी तीखी नजर गड़ाये हुये थे । ऐसा समझा जाता है कि नन्हींजान और अंग्रेजी सरकार की मिलीभगत से ही स्वामी जी को अनेक बार जहर/सांखिया दिया गया । सरकारी डॉक्टर से सही इलाज नहीं दी गयी । जब तक प्राइवेट डॉक्टर देख रहे थे तब तक स्वामी जी ठीक चल रहे थे पर अंग्रेजों के दबाव से सरकारी डॉक्टर अली मर्दान खाँ का इलाज चला तब से उनकी तबीयत और बिगड़ी जिससे यह अन्दाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि उस सरकारी डॉक्टर ने इलाज में लापरवाही वर्ती । अंग्रेजी सरकार के प्रभाव से जोधपुर नरेश भी कुछ कर न सके । सरकार, डॉक्टर तथा नन्हीं जान तीनों शक्तियाँ स्वामी दयानन्द के विरुद्ध काम कर रही थीं फलतः स्वामी जी का दुर्भाग्यपूर्ण देहावसान भी ३० अक्टूबर १८८३ को हो गया । प्रमाण रूप में स्वामी दयानन्द के खिलाफ अंग्रेजों के कार्यालयों से कुछ ऐसे संदिग्ध पत्र प्राप्त हैं जिनसे यह सब अनुमान बहुत ही आसानी से लगाया जा सकता है कि अंग्रेजों के इशारों के विना स्वामी जी की ऐसी मृत्यु नहीं हो सकती थी ।

- आर्य समाज के इतिहास पृ.३२१-२२ इन्द्र विद्या वाचस्पति, तत्कालीन श्री पी डी जौहरी और एक आर्य समाजी ७० वर्षीय वृद्ध की बातचित, पं. भागराम अजमेर निवासी के द्वारा अंग्रेजी लन्दन ऑफिस के पत्रों का खुलासा, पं. भगवद्दत्त जी की खोजपूर्ण निबन्ध तथा श्री फिरोजचन्द जी एम.ए. द्वारा लिखित भारतीय स्वाधीनता के इतिहास में उल्लिखित वर्णन से स्पष्ट पता चलता है कि स्वामी दयानन्द की भयानक मृत्यु में अंग्रेजों का हाथ सहज ही था । विस्तार वर्णन देखें- भारतीय स्वा. सं. में आर्य समाज का योगदान, पृ. १३-१५ लेखक-आचार्य सत्य प्रिय शास्त्री, हिसार.

SUBJECT OF REINCARNATION

By Acharya Dr. Umesh Yadav

What is the Reincarnation, the rebirth of a soul in another body?

Answer- The union of Soul with a body is called "Birth" and separation of soul from a body is known as 'Death'.

When a soul abandons a body and after that soul re-enters into a body in order to face the consequences of his/her actions, is known as reincarnation (rebirth). In other words, the entry of a soul into another body is known as reincarnation.

Its Evidence - First of all it is most important to give evidence from Vedas because knowledge of Vedas were given by Almighty God to four Rishis at the time of creation, 1 Billion and 970 Millions year ago. Named Rigved to Agni Rishi, Yajurved to Vayu Rishi, Saamved to Aditya Rishi and Atharaved to Angira Rishi. There are many Mantras in Vedas about Reincarnation. But due to the limitation of time, I am going to present a few of these Mantras here.

1. Punarno Asum Prithveem dadatu Punrantrisham. Punarnah Somastanwam Punah Poosha Pathyaam Yaa Swastih.

Rigved -8.1.23.7

पुनर्नो असुं पृथिवीं ददातु पुनर्द्यौर्देवी पुनरन्तरिक्षम् ।

पुनर्नः सोमस्तन्वं ददातु पुनः पूषा पथ्यां या स्वस्तिः ॥ ऋग्वेद-८.१.२३.७

Meaning- O Almighty! Because of your kindness, we get an opportunity to come to earth in order to support our life, light for our eyes and appreciate the outer space. In reincarnation, in order to keep our body healthy, you provide us with various herbal medicines. O Almighty God, in every life please bless us with a life free of all kinds of sorrows and full of happiness.

2. Punarmanah Punrayurma Aagan Praanah Punraatama Ma Aagan Punshchachuh Punah Shrotram Ma Aagan. Vaishwaanaro Adabddhaspanupaa.Agnirnah Paatu Duritaadavadhyaat.

Yajurved-A4 Mantra 5.

पुनर्मनः पुनरायुर्म आगन् पुनः प्राणः पुनरात्मा म आगन् पुनश्चक्षुः पुनः श्रोत्रं म

आगन् । वैश्वानरो अदब्धस्तनूपा अग्निर्नः पातु दुरितादवद्यात् ॥ यजुर्वेद- अ४.मं ५

Meaning - O Omnipresent Almighty God, whenever we are reborn with a body, please bless us with a pure Mind, complete life span, free of diseases and a soul which is full of all kinds of skills. We should be born with a best eyesight and hearing power. Almighty God who is pervading in this whole universe, should look after and nourish our body in all our births. O destroyer of all kinds of sin Almighty God, keep us away from bad deeds and sorrows in our reincarnation.

3. Yatha Syam Kalpayantamihaiva- Atharvaved- 7.6. 67.1

यथा स्याम कल्पयन्तामिहैव - अथर्ववेद- ७.६.६७.१

Meaning - In our reincarnation, we should be blessed with a pure mind and intellect so that in our rebirth as a human being, we can fulfil the requirements to achieve Dharma, Arth, Kaam and Salvation. And through Stuti, Prarthanan and Upasana we always remember and worship you. So that we do not suffer from grief in any of our future life.

4. According to Yajurved Mantra 19.47- ३.

द्वे सृती अश्रुणवं पितृणामहं देवानामुत मर्त्यानाम् । ताभ्यामिदं विश्वमेजत्समेति
यदन्तरा पितरं मातरं च ॥

Dwe Sriti Ashriam Pitrinaamaham Devaanaamuta Matyaarnaam.
Taabhyamidam Vishwamejatsameti Yadantaraa Pitram Maataram
Cha.

Meaning - We hear about two kinds of births in this world.

- To be reborn as a human being.
- Lower state of animal, bird, various kinds of insect and plant.

In this Ved Mantra, rebirth as a human being has been described as of three kinds.

- (पितृ) To be born as an intelligent person.
- (देव) To be a Wiseman after reading all kinds of education.
- (मर्त्य) Martya meaning as an ordinary human being.

The first state belongs to human beings who have a pure soul and virtuous deeds, second state is where a person has done equal amounts

of good and bad deeds and third state is where a person has done mostly bad deeds in his/her life and is reborn in a lower state of existence.

According to deeds, one is born through its parental bodies, then a soul leaves its physical body and re-enters into a new physical body again and again. A soul enters into a female womb through the semen of a male organism.

5. Nirukta 13.19 - मृतश्चाहं पुनर्जातो जातश्चाहं पुनर्मृतः -

Mritshchaaham Punarjaato Jaatshchaaham Punarmritah –

In this Shlok, an individual Soul is saying that I have died many times and similarly reborn again. In my different rebirths, I have eaten different kinds of food, I sucked milk from the breasts of different kinds of mothers, I have seen a variety of fathers and friends. This is all according to deeds done by me.

6. स्वरसवाही विदुषोऽपि तथाऽभिरुद्धोऽभिनिवेशः -योग दर्शन पा.२ सू.९-पतंजलि ऋषि-
Swarasvaahi Vidushopi tathabhirudhobhiniveshah,- Yog Darshan Paa. 2 Soo.9- Patanjali Rishi –

Here while describing about the persistent sufferings, it is said here that even the wise people want to be happy all the time, would not like to die and no one would like, "I do not exist". This kind of sentimental feeling is only possible when there is a system of reincarnation.

7. पुनरुत्पत्तिः प्रेत्यभावः- न्याय दर्शन- १.१.१९- वात्सायन भाष्य –

Punarutpatih Pretiyabhaavah: Nyay Darshan-1.1.19- Vaatsaayan Bhashya –

Who so ever is born and takes a shape of a physical body, that individual leaves that body and gets reborn in to a different body. This is known as Pretiyabhav meaning_ leaving the body and then entering new womb of mother for new life.

8. Yajurved 40.3 - यजुर्वेद ४०.३ असूर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसाऽवृताः ।

तांस्ते प्रेत्यापि गच्छन्ति, ये के चात्महनो जनाः ॥ -

Asuryaa Naam Te Loka Andhen Tamasaavritaa. Taanste Pretyaapi Gachanti, Ye Ke Chaatmahano Janah.

Meaning - Those people who do not live their life according to the wishes/dictates of attributes and deed of their soul and after their death they achieve a painful state and surrounded by their demonic activities and mentality.

9. Now I will quote a very popular Shlok from Geeta (2.22).

Vasaansi jirnaani Yatha Vihay, Navani Grihanti Naroparaani.

Tatha Shariraani Vihaya Jiraani, Anyaani Sanyaati Navaani Dehi.

वासंसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि, अन्यानि संयाति नवानि देहि ॥ गीता (२.२२)

Meaning- Similar to human beings get rid of their old clothes and wear new clothes, a human Soul gets out (discard) an old and weak physical body and enters into a new physical body.

10. गीता ४.५- बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन ।

तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परं तपः ॥

Geeta 4.5- Bahuni Me Vyatitaani Janmaani Tav Charjun.Taanyaham
Ved Sarvaani Na Twam Vetham Param Tapah.

Meaning - O Arjun, You and I have taken several births, I know every birth of mine but you do not know about your births. This is possible only due to the practice of Yog and study of Vedas.

Similarly, there are hundreds of evidence in our religious books.

Logical Evidences -

Question- If we believe in reincarnation, then we should know about our previous life?

Answer- There are two kinds of knowledge. One is natural, innate and inborn and the other is an acquired knowledge gained by self study, from teachers, attending teaching institutions and experience.

The inherent natural attribute of fire is warmth and water is cold. But when water comes in to contact with fire, it gets warm. The warmth of water is an acquired attribute. As soon as water is moved away from fire, it will

come to its inert attribute of coolness. Similarly, a soul has its own natural attribute that it exists and has its qualities (virtues).

The soul knows that it is a conscious entity. But when a Soul enters a body then it acquires further knowledge through its thought, experience and sense organs like eyes, ears, smell, touch and taste. This results in an increase or decrease in its acquired knowledge. When a Soul enters into a new physical body and adjusts in to the new environment, soul loses the memory of the acquired knowledge. If some one asked you that what were you doing at 10 am 5 days back? Then naturally your answer will be that you do not remember. Now please think that when a person can not remember what did he/she did 5 days back then how can one expect him/her to remember things of past life.

Some people remember about old things and others do not because it is about acquired knowledge. The memory of acquired knowledge fluctuates. These memories could be true at times and might be wrong like a wrong dream. The basis of an acquired knowledge is dependent on a country, time and coming in contact with different objects.

When a Soul leaves a physical body then this Soul loses memories connected with the particular body. For example, one remembers some only some of the incidences of his/her childhood and not all. This is due to these being an acquired knowledge.

Summary

Considering the above quotations from Holy books of Vedas, Nirukta, Nyay Darshan and Geeta, we strongly believe in Reincarnation due to the deeds done by a Soul while living in a physical body and judgement of Almighty God to reward this particular Soul to achieve Salvation or come back to earth in form of various kinds of animal or plants.

The fruits/rewards of deeds which have not been completed in present life become reason for rebirth of a Soul. Good or bad deeds done in one's present life become reason for a good or bad life in future. The remaining (outstanding) rewards of deeds of present life do not get burnt but stay with the particular Soul and become meaningful at the favourable time.

थर्ड यूथ वोलिन्टियर मिटिंग - 20 मार्च 2022

ओ३म् सेवा युवा मंडल की तीसरी बैठक का आयोजन आर्य समाज वेस्ट मिडलैंड के पुस्तकालय में 20 मार्च 2022 रविवार दोपहर 2 बजे सम्पन्न हुआ ।

बैठक में उपस्थिति-

1. आचार्य डॉ उमेश यादव- *धर्माचार्य*
2. मिस राजी चौहान - *कार्यालय-मंत्री*
3. श्री विनोद गुलाटी
4. श्री विजय कुमार
5. श्री निशान्त सैनी
6. डॉ. गोल्डी सोंगरा
7. जीतेन्द्र सेठ
8. श्रीमती कोमल सेठ
9. श्रीमती वीना देवी
10. श्री अमरीक सिंह
योग शिक्षक
11. श्री कुलविंदर सिंह
भांगड़ा कोच

आरंभ - आचार्य जी द्वारा वैदिक वन्दना (मंत्रोच्चारण) के साथ हुआ तत्पश्चात् युवा वर्ग में सेवा, स्वाध्याय एवं सत्संग के प्रति रुचि बढ़ाने तथा कम्यूनिति हितकारी कार्यों /गतिविधियों के आयोजन के लिये विचार-विमर्श किया गया ।

विचारित विषय - सर्वमत से यह विचार हुआ कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें श्री अमरीक सिंह योग शिक्षक और श्री कुलविंदर सिंह भांगड़ा कोच के रूप में निष्काम सेवा भाव से अपना समय यहाँ देने के लिये सहमत हैं । अतः इनकी सेवा को सार्थक रूप देने हेतु प्रत्येक रविवार को प्रातः 9 से 11 बजे तक यहाँ स्वामी श्रद्धानन्द हॉल में योग कक्षा तथा प्रत्येक वीरवार को सायं 6 से 8 बजे तक भांगड़ा फिटनेस कक्षा लगाई जाये । ये

कक्षार्ये सबके ललये नलःशुल्क हॉगे पर वहाँ दान बॉक्स /गुलक रखा जायेगा तथा सबको अपनी श्रुदधानुसार दान देने के ललये प्रेरणा हर वार दी जायेगी । इससे आर्य समाज को न्यूनतम वलजली-पानी के खर्चे की भरपाई की जा सकेगी । यह दान इस योजना को आगे बढ़ाते रहने में भी सहायक हो सकेगा ।

उपर्युक्त प्रस्ताव आर्य समाज वेस्ट मलडलैंड की होने वाली 27 मार्च 2022 की बैठक में रखने का भी वलचार हुआ तथा आर्य समाज के बोर्ड अॉफ ट्रस्ट की बैठक में इस पर जो नलर्णय ललया जायेगा, उसके अनुसार ही इन दोनों योजनाओं को सार्थक रूप दलया जायेगा ।

उक्त बैठक में 10 अप्रैल 2022 रवलवार को आर्य समाज स्थापना दलवस एवं *मेजर रौल (80%)अॉफ आर्य समाज फोर फ्रलडम स्ट्रगल अॉफ भारतवर्ष* इंगललस में तैयार पुस्तक-उदघाटन - समारोह में भाग लेने तथा इसके ललये बढ़चढ़कर सेवा एव सहयोग देने की प्रेरणा आचार्य उमेश जी द्वारा सबको दी गई । उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण पुस्तक के लेखक दव्य डॉ. नरेन्द्र कुमार - आर्य समाज वेस्ट मलडलैंड के प्रधान एवं आचार्य डॉ उमेश यादव - धर्माचार्य हैं ।

ओ३म सेवा युवा मंडल की अगली बैठक 8 मई 2022 को 1 बजे रखने का नलर्णय ललया गया ।

शांति पाठ के साथ उत्साहित मुद्रा में बैठक की समाप्तल हुई।

-वलजय कुमार – कन्वेनर, वलनोद गुलाटी, राजी चौहान, आचार्य उमेश, बृजबाला दुगल (अपोलोजी)



Photo by Master Veer Kumar

Children's Corner

The Untouchable Monkeys

Once, a group of monkeys got drenched in the rain during Winter. They were shivering in the cold when one of the monkeys found fireflies and thought they were fire embers. To start a fire, they started blowing on them.

On a nearby tree, a bird was watching the vain attempts of the monkeys. She yelled, "You are wasting your time by trying to make a fire out of fireflies. You must go and find a cave to protect yourself from the cold."

The monkeys ignored her advice and said, "Don't interfere. Go away!"

Despite being ignored the bird flew down to them. She tried to convince them that they must find shelter soon.

One of the monkeys got frustrated and fiercely smashed the bird against the ground. The bird was severely injured.

Moral of the Story: Never advise fools.



GAYATRI MANTRA

**OM BHURBHUVAH SVAH
TATSAVITURVARENYAM
BHARGO DEVASYA DHEEMAHI
DHIYO YO NAH PRACHODAYAAT.**

Meaning of Gayatri Mantra:-

- **(OM)** IS THE MAIN NAME OF ALMIGHTY GOD WHICH INCLUDES ALL OTHER NAMES OF GOD.
- **(BHUH)** HE IS LIFE OF LIFE.
- **(BHUVAH)** HE IS THE PROTECTOR FROM ALL THE PAINS.
- **(SWAH)** HE IS ALL BLISS AND GIVER OF ALL BLISS TO HIS DEVOTEES
- **(SAVITUH)** HE IS CREATOR OF ALL UNIVERSE, THE ILLUMINATOR OF ALL THE LUMINOUS BODIES LIKE SUN ETC. THE GIVER OF ALL WISDOM AND WEALTH
- **(DEVASYA)** WE ESTABLISH HIM IN OUR HEART AS MOST DESIRABLE AND VICTORIOUS
- **(VARENYAM)** MOST SUPERIOR TO ACCEPT AND MEDITATE.
- **(BHARGAH)** HE BURNS ALL PAINS AND IS HOLY, SACRED AND PURE BY NATURE.
- **(TAT)** TO THAT ALMIGHTY GOD
- **(DHEMAHI)** WE SHOULD ACCEPT AND HOLD.
- **(YAH)** THAT ALMIGHTY GOD
- **(NAH)** OUR
- **(DHIYAH)** MIND IN BEST ATTRIBUTES, DEED AND NATURE (HABBIT & TEMPERAMENT).
- **(PRACHODAYAT)** INSPIRE US

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months & Life membership is £500 paid once.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
 - Maharishi Dayanand Hall and Swami Shraddhanand Hall – Members and friends can hire hall for celebration of birthday etc, as long as you do not drink alcohol and eat meat. We ask for a donation to cover electricity, gas and cleaning expenses. Please call 0121 359 7727 to book your event.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £51
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £200
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £250
 - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £200

Note – Arya Samaj policy – All fees for Sacraments and Cremation are paid within 7 days.

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Condolences:

- Mrs Manjula Sharma and family - for the loss of her beloved mother Mrs Savitri Sharma (96) passed away on 16th March 2022 in Bharat. We pray to Almighty God to give Sadgati to her soul and strength to the family to cope with their loss.

Havan:

- Mr Vijay Kumar, Mrs Veena Devi & Veer – Havan and celebration of Guru Ravi Das Jayanti on 27th February 2022. Wishing them to be inspired by the teaching of Sant Guru Ravi Das Ji Maharaj.
- Mr Sanjive Mahandru and family – Havan on 10th March 2022 in memory of his beloved brother Mr Rajive Kumar Mahandru and friend Mr Raj Chauhan. May God bless their departed souls the eternal peace.
- Mr Janak Raj Sharma and family – Havan on 10th March 2022 in memory of his beloved wife Mrs Satya Devi Sharma. May God bless the departed soul the eternal peace.
- Mr Manbir Chaudhari and family – Havan on 12th March 2022 in memory of his beloved father Late Shri Randhir Singh Chaudhari. May God bless the departed soul the eternal peace.

- Dr Ashok Rai & Mrs Upasna Rai and family – Havan on 19th March 2022 in memory of Mrs Mamta Verma beloved mother of Upasna Rai. May God bless the departed soul the eternal peace.

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- | | |
|-----------------------|------|
| • Mr Sanjiv Joshi | £200 |
| • Mr Janak Raj Sharma | £101 |
| • Dr Ashok Rai | £100 |
| • Mr Manbir Chaudhari | £51 |
| • Mr Sanjive Mahandru | £50 |

Donations:

- | | |
|---|------|
| • Mr Sanjiv Joshi | £285 |
| • Mr Vijay Kumar | £101 |
| • Mr Ved Parkash Rawal | £80 |
| • Mrs Manjula Sharma | £51 |
| • Mr Ashok Bakshi | £51 |
| (In memory of his beloved sister Mrs Asha Datta) | |
| • Mrs Sunita Bakshi | £21 |
| • Mrs Usha Khosla | £21 |
| • Mr Pardeep Chaudhari | £21 |

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences, on different occasions Or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

Thank you for all your donations we are very grateful!

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Mrs Rama Joshi	£1001
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£1000
Dr Saroj Adlakha	£1000
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archana Bathla	£1000
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mr Swaraj and Vijay Kumar	£301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Usha Khosla	£151
Mrs Suraksh Soni	£125
Mr Surinder Julka	£101
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100
Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Mr V.P Rawal	£121	Yearly
Mr Parimal Somani	£120	Yearly
Dr Vivek Gulati	£101	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr P.D. Gupta	£21	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mr Varinder Bahal	£15	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Mr Vinod Gulati	£10	Monthly
Mr Alok Yadav	£10	Monthly
Mr Jatender Vatta	£10	Monthly
Mr Madan Mohan Sharma	£10	Monthly
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly
Mr Amit Khanna	£5.00	Monthly
Mr Vijay Kumar	£5	Monthly

MEETING FOR VOLUNTEERS

We are holding our 4th Meeting for Volunteers to attend **on Sunday 8th May 2022**

Time: - 1:00 p.m. – 3:00 p.m.

Venue: - The meeting will take place in Our Arya Samaj's Building - Swami Shraddanand Hall.

This meeting will be hosted by Mr Vijay Kumar and Mr Vinod Gulati Ji (BOT Members) Along with Miss Raji Chauhan (Office Manager), Our Acharya Dr. Umesh Yadav Ji (Minister of Religion) and Mrs. B.B. Duggal (BOT Members).

Topic: YOUTH ACTIVITIES & 'SEWA' TASKS - Most Charity Organizations have volunteers who help with simple tasks during organisations activities. If you can offer to do 'Seva' even if it is once a week or month for 2 - 3 hours, it would be helpful. Even if you cannot commit to giving time at present, please do attend so that we can hear your views.

We know that most of you would like to help and support but quite often people do not know what help is needed and when. We have made a list of activities and it will be shared with you in the meeting.

We look forward to meeting with you and may we take this opportunity to thank you for your support.

**AUM YOUTH VOLUNTEERS SEWA MANDAL
ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WM UK**

YOUR ARYA SAMAJ IS HERE TO HELP IN
“YOUR HOUR OF NEED”

Dear members

Due to Covid-19 Pandemic and other issues, some of us have been going through all kinds of problems.

Your Arya Samaj is here to help you in your hour of need.

Please get in touch with us. Our Acharya ji, Shri Umesh Yadav, is a resident priest and lives in our Arya Samaj Bhavan.

You can contact him by phoning on 0121 3597727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

If Acharya Ji is not available to answer your phone, please leave a message with your full name, telephone number and briefly about your problem. It will be answered soon.

Please do not suffer alone. Talk to us. We exist to support our members and friends, especially when they are in any kind of trouble.

So please remember us in “Your Hour of Need”.

Thank you.

Kind regards.

Yours sincerely

Dr. Narendra Kumar



Weekly services details
(NEW ZOOM DETAILS FOR 2022)

Please share with family & friends

Wednesday Day Centre – only at Bhavan

Time: 12pm – 3pm

Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 12pm. Emphasis is on keeping healthy and fit with yog and Pranayam. We will offer Tea/Coffee and biscuits free of cost. Those members who would like to have Lunch, we will try to provide lunch at the cost charged by caterer to us.

Wednesday Sanskrit Learning – via zoom only

Time: 08:00pm – 9pm

Every week from Wednesday 6th April 2022, until August 31st 2022. New ID will be sent out in September 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/87334999558?pwd=NVVmbVh1b3h1NTFFdzdYN2w5bDBiQT09>

Meeting ID: 873 3499 9558

Passcode: Vedic2

Thursday Yog Class

Time: 06:00pm – 7pm

Every week from Thursday 7th April 2022, until August 25th 2022. New ID will be sent out in September 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/85853787503?pwd=RHdPN0RCMWZCc1Rpdjd1WTJCcmh1dz09>

Meeting ID: 858 5378 7503

Passcode: Yog2

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am – 1pm - followed by Rishi Langer

Every week from Sunday 3rd April 2022, until August 28th, 2022. New ID will be sent out in September 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/88144493522?pwd=dUs3c25rWjJ5NDZndXIYN283dEdLZz09>

Meeting ID: 881 4449 3522

Passcode: Havan2

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted, please inform the office.

0121 359 7727

Member or non-member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj. Please call 0121 359 7727

If you are not having any symptom of Covid-19, we request you to start attending Sunday Congregation, Yog Class & other events we will hold this year at Arya Samaj Bhavan. But for the benefit of those members who can not come to Bhavan we will continue providing our services on Zoom.



**We need more of our members to donate
monthly/yearly.**

We need to expand our list of generous monthly/yearly donors list to financially support our Arya Samaj in future.

At present we are receiving about £300 of regular donations every month.

We need to increase to £1000 a month at least in near future.

About 25 of our members are already donating regularly. We are grateful to them and thank them for their generosity.

Please get in touch with Arya Samaj office or donate directly into Arya Samaj Bank account as below by setting up a monthly standing order.

Bank Transfer – The Co-operative Bank

Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Account number – 65839135 Sort Code – 08.92.99

Once you have donated online, please let us know by email or phone.

Your help is highly appreciated. Thank you.

Dr. Narendra Kumar
Chairman

